मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 4

BSKC–105

बी. ए. (ऑनर्स) संस्कृत

(बी.ए.एस.के.एच.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2025

बी.एस.के.सी.-105 : लौकिक संस्कृत साहित्य (नाटक)

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *इस प्रश्न-पत्र में तीन खण्ड हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।*

खण्ड—क

(व्याख्या आधारित प्रश्न)

1. अधोलिखित पद्यांशों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए : 3×10=30

(क) इदानीं भूमिपालेन कृतकृत्याः कृताः प्रजाः।

रामाभिधानं मेदिन्यां शशाङ्कमभिषिञ्चता॥

अथवा

शत्रुघ्नलक्ष्मणगृहीतघटेऽभिषेके छत्रे
स्वयं नृपतिना रुदता गृहीते।
सम्भ्रान्तया किमपि मन्थरया च कर्णे
राज्ञः शनैरभिहितं च न चास्मि राजा॥

(ख) शान्तमिदमाशमपदं स्फुरति च बाहुः कुतः फलमिहास्य।
अथवा भवितव्यानां द्वाराणि भवन्ति सर्वत्र॥

अथवा

सरसिजमनुविद्धं शैवलेनापि रम्यं
मलिनमपि हिमांशोर्लक्ष्म लक्ष्मीं तनोति।
इयमधिकमनोज्ञा वल्कलेनापि तन्वी
किमिव हि मुधराणां मण्डनं नाकृतीनाम्॥

(ग) नन्दकुलकालभुजगीं कोपानलबहुलनीलधूमलताम्।
अद्यापि बध्यमानां वध्यः को नेच्छति शिखां मे॥

अथवा

श्यामीकृत्याननेन्दूनरियुवतिदिशां संततैः शोकधूमैः
कामं मन्त्रिद्रुमेभ्यो नयपवनहृतं मोहभस्म प्रकीर्य।
दग्ध्वा संभ्रान्तपौरद्विजगणरहितान्नन्दवंशप्ररोहा-
न्दाह्याभावान्न खेदाज्ज्वलन इव वने शाम्यति क्रोधवह्निः॥

खण्ड—ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

2. संस्कृत नाट्य साहित्य का परिचय दीजिए। 5

3. नाटक की उत्पत्ति के सिद्धांत का वर्णन कीजिए। 5

4. रूपक किसे कहते हैं ? रूपक में भेदों का उल्लेख कीजिए। 5

5. आकाशभाषित और सूत्रधार का लक्षण लिखिए। 5

6. 'प्रतिमानाटकम्' पर टिप्पणी लिखिए। 5

खण्ड—ग

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

7. 'अभिज्ञानशाकुन्तलम्' नाटक के प्रथम अंक का सारांश लिखिए। 10

8. 'मुद्राराक्षसम्' नाटक की ऐतिहासिकता का वर्णन कीजिए। 10

9. नाटकों का विकास किस प्रकार हुआ ? उल्लेख कीजिए। 10

10. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

$3 \times 5 = 15$

(क) दुष्यन्त

(ख) विशाखदत्त

(ग) नान्दी

(घ) भरतवाक्य

× × × × ×